

# Newspaper Clips

November 4-5, 2012

November 4

Amar Ujala ND 04/11/2012

P-7

## टीसीएस आईटी विज में न्यू एरा ने बाजी मारी

● अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। आईआईटी दिल्ली में टीसीएस आईटी विज प्रतियोगिता के दिल्ली संस्करण का आयोजन किया गया। आईटी विज में दिल्ली के न्यू एरा पब्लिक स्कूल के प्रेम पाल सिंह और अरनव शर्मा ने बाजी मारी।

प्रतियोगिता में दिल्ली, गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, पटियाला, पानीपत, हरियाणा और वाराणसी के स्कूलों से करीब 1200 छात्रों ने हिस्सा लिया।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के अध्यक्ष (मैन्यूफैक्चरिंग) देवाशीष घोष ने विजेता छात्रों को ट्रॉफी के साथ गैलेक्सी नोट प्रदान किया। इस प्रतियोगिता में दिल्ली स्थित मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड के अप्रतिम चरण सिंह और नमन धानुका रनर अप बने। 14 शहरों के क्षेत्रीय राउंड के बाद दिसंबर में राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में टीसीएस विजेता टीमें यूई की विजेता टीमों से मुकाबला करेंगी।

**फेसबुक यूज करने में  
दिल्ली दूसरे नंबर पर**

छात्रों की डिजिटल आदतों पर एक जेनवाई सर्वे किया गया। सर्वे के नतीजों से यह बात सामने आई कि दिल्ली, मुंबई के बाद दूसरा शहर है, जहां फेसबुक यूजर सबसे अधिक हैं। यहां 95.63 फीसदी छात्र फेसबुक का इस्तेमाल करते हैं। सबसे अधिक मोबाइल धारकों में भी दिल्ली दूसरे स्थान पर है। इसके साथ ही मोबाइल से इंटरनेट एक्सेस करने वाले छात्रों की संख्या, लैपटॉप से एक्सेस करने वालों की तुलना में अधिक है। 58.98 फीसदी छात्र मोबाइल से इंटरनेट एक्सेस करते हैं, जबकि लैपटॉप से एक्सेस करने वालों का प्रतिशत 58.08 है। 91.12 प्रतिशतघर से इंटरनेट एक्सेस करते हैं। करियर के लिए दिल्ली के छात्रों का पसंदीदा विकल्प आईटी और इंजीनियरिंग है।

# GAANA-BAJAANA AT IIT DELHI

Mohd Salman Khan

It's that time of the year when many colleges across the city are in celebration mode with

the college fests on in full swing. IIT Delhi recently had its annual fest, Rendezvous, which turned out to be quite a treat for music lovers. IITians saw some power-

packed performances by artists including Shilpa Rao, Papon and the band Advaita.

The musical bonanza was started by Advaita, who jammed

with the audience to *Mora Saiyaan*, among other songs.

After this performance, Shilpa Rao took to the stage and started with singing *Those Naina Laage*, followed by *I Feel Good* and *Khuda Jaane*. The singer praised the students and said to them just what they wanted to hear - "You are the best engineers in the country. Your parents would be proud of you, na?" she said.

After Shilpa, it was Angaraag Mahanta aka Papon's turn. Talking about his college days, Papon quipped,

"Main bhi architect banne nikla tha. Lekin baad mein mujhe laga ki main yeh line-din e kyun khesach raha hoon? And then I learnt, bas line maaro, guitar seekho aur gaana gao." He

first sang *Kyun Na Hum Tum* from the latest Ranbir Kapoor movie - *Barfi!*, and then it was *Banao Banoo* and *Jeeyen Kyun* after which the singer said, "Abhi mere paas sirf do hi Bollywood songs hain."

Papon >>



Shilpa Rao

(L-R) Ujwal Nagar, Chayan Adhikari and Suhail Yusuf Khan of Advaita

PUT YOUR HANDS UP IN THE AIR



Hari Bhumi ND 04/11/2012 P-6

## चार गुना बढ़ाई जाएगी आईआईटी की फीस

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की फीस चार गुना बढ़ाने का प्रस्ताव है। आईआईटी काउंसिल की सिफारिश को सरकार ने स्वीकार कर लिया है। अब 50 हजार से बढ़ाकर फीस दो लाख रुपये कर दी जाएगी। इस प्रस्ताव पर अभी वित्त मंत्रालय की मुहर लगनी बाकी है। सरकार का कहना है कि बढ़ी फीस नौकरी के बाद देनी होगी। यदि छात्र पढ़ाई के बाद नौकरी नहीं करता तब नौकरी लगने के बाद ही वह बढ़ी हुई फीस को चुकाएगा। सरकार का

यह भी दावा है कि इसका असर सिर्फ 25 फीसदी छात्रों पर पड़ेगा। इस बढ़ी फीस के दबाव में सभी वर्गों के आरक्षित श्रेणी के छात्र शामिल नहीं होंगे। इसके लिए उनकी डिग्री पर यह अंकित होगा ताकि नौकरी पाने में नियोजक से यह पैसा वसूल किया जा सके। यह निर्णय वित्त मंत्रालय की मंजूरी के बाद ही लागू होगा और 2013 में यह लागू होगा। तब तक डिग्रियां, अंकपत्र आनलाइन मिलने लगेंगी। उन्होंने कहा कि आईआईटी को प्रशासनिक एवं शैक्षणिक स्वायत्ता दी जाएगी पर उनकी जवाबदेही भी तय की जाएगी। इसके लिए आईआईटी को चार



- अब 50 हजार से बढ़कर दो लाख रुपये होगी फीस
- वित्त मंत्रालय की मंजूरी के बाद 2013 से लागू होगी

सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट देनी होगी कि वे कौन की जवाबदेही अपनाएंगे। उधर आईआईटी में दाखिले की परीक्षा में व्यापक बदलाव लाने का फैसला किया है ताकि कोचिंग के जरिए प्रवेश पाने वाले छात्रों की जगह वास्तविक रूप से प्रतिभाशाली एवं गरीब छात्रों को दाखिला मिल सके। सरकार ने आईआईटी की वर्तमान फीस प्रवेश के समय न बढ़ाने का फैसला किया है पर काकोडकर समिति की सिफारिशों के आधार पर 25 प्रतिशत छात्रों को नौकरी मिलने पर बढ़ी हुई फीस की बकाया राशि वसूलने का प्रस्ताव है। इसके

अलावा 2013 में एक अखिल भारतीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा शुरू की जाएगी जिससे सभी आईआईटी, ट्रिपल आईआईटी एवं आईटी समेत सभी केन्द्रीय शिक्षण संस्थाओं में छात्रों को प्रवेश मिल सके। इस प्रवेश परीक्षा में राज्यों के इंजीनियरिंग कालेजों को भी शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। आईआईटी को विश्व स्तरीय बनाने तथा आम आदमी की जरूरतों के लिए शोध को बढ़ावा देने के लिए 40 हजार पीएचडी का लक्ष्य रखा गया है तथा 2020 तक 16 हजार शिक्षकों की भर्ती करने का भी लक्ष्य रखा गया है।

# India to showcase Aakash tablet at UN

United Nations, Nov 3: India, which assumed this month's rotating Presidency of the Security Council, will showcase its low-cost Aakash tablet at the United Nations, highlighting the country's innovation involved in the "most competitively priced" tablet computer. India's permanent representative to the UN Hardeep Singh Puri said a presentation on the tablet will be held on November 28 at the world body's headquarters here to which UN Secretary General Ban Ki-moon will be invited.

Suneet Singh Tuli, CEO of Canada-based Datawind, which had won the Indian government's tender for making and supplying the tablets, will also be present on the occasion. Aakash has been "described as the most competitively priced tablet computer by an Indian-origin entrepreneur," Puri said at a news conference on Friday to outline the Council's monthly agen-

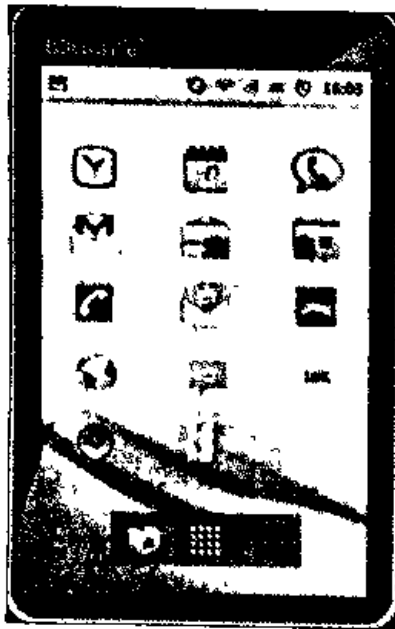
da under India's presidency. He said while the tablet would be called "frugal innovation" in UN terminology, it is a "competitively priced innovation."

Puri said the Indian mission to the UN took the initiative to showcase the tablet at the world body

and other UN member states as well as media persons will be invited to the event. Tuli would make a presentation to the UN audience on Aakash, which was launched in October last year by the Indian government to make available computing devices to students at subsidised rates. The Indian mission in-

tends to distribute a limited number of Aakash tablets to some member states.

A new version of the tablet PC, featuring one Ghz processor, four-hour battery time, capacitive screen and Android 4.0 operating system, is expected to be launched in India on November 11. *PTI*



गुणवत्ता सुधारने के लिए शोध पर देना होगा ध्यान

# ‘रटने’ पर जोर देते हैं देशी इंजीनियर

इंफोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति ने भारतीय कॉलेजों से पास होकर निकल रहे सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की गुणवत्ता पर उठाएँ सवाल

## आज समाज नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के कॉलेजों से पास आउट होने वाले इंजीनियर केवल डिग्री पास करने लिए पढ़ते हैं। आमतौर पर सॉफ्टवेयर इंजीनियरों भी पढ़ाई के दौरान केवल रटने और किसी तरह पास होने की जुगत में जुटे रहते हैं। इंफोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति ने यह बात कही है।

उन्होंने कहा है कि सॉफ्टवेयर उद्योग में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद क्षेत्र अपने खुद के अनुसंधान को आगे बढ़ाने में विफल रहा है। उन्होंने छात्रों से इस

**दुर्भाग्य की बात है कि सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, गुणवत्ता, उत्पादकता, सुरक्षा आदि के क्षेत्र में भारतीय सॉफ्टवेयर उद्योग में आज जो भी प्रगति हो रही है, वह पश्चिमी देशों की बदौलत है।**



**एन नारायणमूर्ति, संस्थापक, इंफोसिस**

खामी को दूर करने के लिए नई सोच पैदा करने को कहा। साथ ही छात्रों को पेशेवरों की तरह जीवन आदर्श अपनाने की सीख दी है। दिल्ली के इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के दीक्षांत समारोह में मूर्ति ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि बहुचर्चित भारतीय सॉफ्टवेयर क्षेत्र अब हर नया शोध

पश्चिमी देशों से आयात कर रहा है। वह भी तब जब देश में हर साल बड़ी संख्या में सॉफ्टवेयर इंजीनियर निकल रहे हैं। उन्होंने कहा कि एकमात्र जोर परीक्षा पास करने तथा रटत विद्या पर है। नई सोच तथा बुनियादी चीजों का उपयोग नहीं होने से सॉफ्टवेयर उद्योग की यह स्थिति हुई है। मूर्ति के अनुसार दुर्भाग्य की बात है कि

सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, गुणवत्ता, उत्पादकता, सुरक्षा आदि के क्षेत्र में भारतीय सॉफ्टवेयर उद्योग में आज जो भी प्रगति हो रही है, वह पश्चिमी देशों की बदौलत है। उन्होंने कहा, ‘हम जो भी पुस्तक का उपयोग करते हैं, उसे दूसरे देश में रहने वाले लोगों ने लिखा है। हम जो भी गजट का उपयोग करते हैं और जो भी शोध हम आसपास देखते हैं, उसे दूसरे देशों में ईजाद किया गया है। आखिर ऐसा क्यों है?’

छात्रों की शिक्षा के रुख में बदलाव का सुझाव देते हुए मूर्ति ने कहा कि शिक्षा का मतलब कालेज में परीक्षा पास करना नहीं होना चाहिए और पेशेवरों को जीवन भर सीखने की प्रक्रिया जारी रखनी चाहिए। दीक्षांत समारोह में नासकाम के पूर्व प्रमुख किरण कार्निंक तथा आईआईटी दिल्ली के निदेशक पंकज जलोटे ने भी भाग लिया।

# IIT-Madras may close doors on hostel mingling

**Wardens contemplate ban on entry of girls into boys' rooms; students oppose**

Staff Reporter

**CHENNAI:** IIT-Madras is going the way of other higher education institutes in the country. And students are not happy.

The premier institution will soon impose restrictions on the entry of girls into boys' hostels. This was confirmed at a meeting of hostel wardens with student representatives on Saturday, students said.

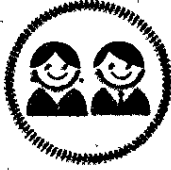
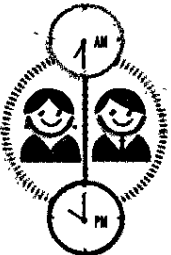


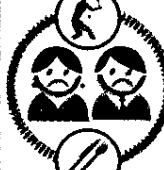
This comes barely three days after nearly 60% of students voted against strict rules in this regard at a gathering organised by The Colloquium, a debating forum run by IIT-M students.

Currently, girls are allowed into boys hostels between 9 a.m. and 9 p.m. while there is a strict ban on boys' entry into girls' rooms.

Students said they received a mail from their representatives which indicated the motivation behind the rule was some past untoward incident that happened on the campus leading to parents/guardians blaming wardens.

Institute authorities have assured students that each hostel will be provided a visitors' lounge where girls and boys can interact. "But no entry into rooms will be allowed," the mail said.

Of late, some wardens have completely restricted

| IN THE NAME OF DISCIPLINE  |   | IITs across the country have varied degrees of freedom when it comes to hostel visits and deadlines  |  |   |
|--|---|--|--|---|
| <p><b>KANPUR</b></p> <p>Girls and boys are allowed in each other's rooms from 6 a.m. to midnight</p>   | <p><b>BOMBAY</b></p>  <p>Entry is allowed from 7.30 am - 10 pm</p> | <p><b>DELHI</b></p> <p>Girls' entry to boys' rooms is allowed only on Deepavali and during events</p>  | <p><b>KHARAGPUR</b></p>  <p>Girls are allowed entry in the common room/library/music room in the boys hostel till 10 p.m., with permission</p> | <p><b>GUWAHATI</b></p> <p>Girls are allowed in common areas like the sports room and dining hall</p>  |
| <ul style="list-style-type: none"> <li>• At a recent discussion at IIT-M, 61% of the 548 student attendees felt their rights were restricted because of such rules on the campus</li> <li>• 67% were of the opinion that there should be no restrictions on the free movement of students in hostels.</li> </ul> |   |  |  |   |

the entry of girls into boys' hostels. In some hostels, even mothers of students are not allowed. But, there was no blanket ban as the onus was on the wardens to take specific action, a student said. The students had an inkling of the impending ban, he said, and their fierce opposition to it was reflected in the votes during the Colloquium meet on Tuesday. "It is strange that the wardens took this decision despite an overwhelming number of students voting against restrictions. After all, some months ago, the director himself had assured

students that no rule would be implemented without the consent of students," he said

Students who received the mail were angry.

"We live in hostels to make our own decisions, learn from mistakes and grow. Such pseudo-parenting will never give us the space we need to mature into responsible adults," a student said.

"Some of us were fine with the present timings and restrictions but a blanket ban is too much," another student said.

Most technical institutions including Anna Uni-

versity and other engineering colleges have strict rules regarding entry into hostels and timings.

A member of the council of wardens said the proposal would be placed before the dean and director. "We want our campus to be balanced in terms of gender-specific rules. We will listen to opinions before we decide," the member said.

A professor said the decision was taken in view of the safety of students.

"We are responsible for them and want to make sure some decorum in maintained," he said.

# Awareness drive

TIMES NEWS NETWORK

The entrepreneurship cell (E-cell), run by the student community of the Indian Institute of Technology (IIT) Kharagpur, conducted the 2012 edition of its one-month entrepreneurship awareness drive in colleges in 20 cities across the nation in October. The drive involved lectures, workshops, and presentations by industry leaders as well as students.

In Delhi, the drive was held at the Faculty of Management Studies (FMS), Delhi University (DU), on October 29, where the campaign created awareness among college students to start their own entrepreneurial ecosystem and develop them. During the drive, the student-members of the E-cell at FMS, in order to promote their entrepreneurial activities, collaborated with the local start-ups and NGOs.

Explaining the collaboration, Ankit Singh, MBA (full-time) student and member of the E-Cell at FMS says, "Dur-


ing the entrepreneurship drive, students tie up with small and medium local level enterprises for their projects such as on-line ventures to gain experience in the entrepreneurial space. And in the course of it, students get hands-on experience to apply the management tools of digitised marketing, user sentiment, etc, which they study in the theory of their MBA programme."

However, he further says that FMS students have an edge over students of other B-schools, as it is located in the centre of north campus, abuzz with student activities. Surrounded by other colleges, it serves as a testing ground for the initial ventures and business models. Based on the feedback of the student community, students get to upgrade the models.

# IIM-A, LinkedIn Join Hands to Continue Alumni Support

Headhunters will get invite to join a dedicated group; user profiles will be verified by their alma mater

## In the Loop

|  |  |
|--|--|
| <b>17m</b><br>Use LinkedIn<br>In India                               | <b>31,100</b><br>IIM-A's<br>Alumni Base  |
| <b>380</b><br>Size of Current<br>IIM-A Batch                         | <b>110</b><br>Cos Offered<br>Summer Training                                       |
| <b>30%</b><br>Interned with<br>Banking Cos                           | <b>20%</b><br>Interned with<br>Consulting Firms                                    |
| <b>120</b><br>Companies Came for IIM-A's<br>Campus Placement this Yr |  |

- IIM-A will send email invitations to its alumni for joining the network on the professional networking site
- Institute has a database of 2,000 employers and will invite some of its regular recruiters to be part of the LinkedIn group
- Initially, only second-year post graduate programme (PGP) and PGPX (experienced) students will join the group in December

**PARAG DAVE**  
AHMEDABAD

In 2008, two Indian Institute of Management-Ahmedabad grads hit what seemed to be bull's eye — investment banking jobs with Lehman Brothers. But within months, the once-renowned investment bank had collapsed and the top-notchers found themselves without a job. Desperate calls to their alma mater for an alternative placement proved to be of little help. The institute could do little because there was no mechanism to support the alumni.

Four years later in an effort to make amends IIM-A has joined hands with professional networking site LinkedIn to keep placement channels open with recruiters even after students graduate. The arrangement is a first for LinkedIn.

"After the Lehman episode, we started thinking about creating an infrastructure to help our alumni find better career options," said Saral Mukherjee, former chairperson of IIM-A placement committee and member of alumni and external relations committee of IIM-A. With a formal agreement now in place between IIM-A and LinkedIn, recruiters can now go through alumni profiles for hiring at middle and senior levels. Headhunters, too, will get an invite to join the

LinkedIn group. "We will remain selective. We believe the hiring process will change with technology as one can now track a person's career growth better," Mukherjee added.

Vijaya Sherry Chand, dean (alumni and external relations) at IIM-A says that globally, recruiters have never been part of any B-school alumni group. "We will verify members before allowing them to be part of the group, thus authenticating the profiles," says Sherry Chand. The institute will send email invitations to its alumni for joining the network.

**IIM-A has 9,500 alumni from its flagship courses and 21,600 alumni from executive education**

The 50-year-old institute ranked 10th in the world (2012 ranking for Post-Graduate Programme compiled by the Financial Times, London) has a database of 2,000 recruiters and will invite some of its regular recruiters to be part of the group once a sizeable number of alumni joins. Hari V Krishnan, country manager of LinkedIn India, says: "Alumni network is an important reason why people join B-schools. Apart from networking infrastructure, this (the tie-up) will provide secondary placement platform to alumni. Not only recruiters, but IIM-A alumni, who have become in-

dustry captains in various sectors, look for hiring potential candidates and they will prefer graduates from their own institute."

LinkedIn officials said that they have 17 million users in India, while there are some 89 million white collar professionals in the country. "We want all of them to join LinkedIn and various companies as well as educational institutes are part of the ecosystem. Time is the most precious commodity and with such tie-up, we can ensure that these professional spend significant time on the site and we can drive value to our free consumers," says Krishnan.

IIM-A will form two groups for its page on LinkedIn named Indian Institute of Management-Ahmedabad and the second called IIM-A Executive Education Alumni. One will cater to its long-term courses while the other will focus on alumni from short-term courses like Executive Education, Faculty Development Programme, and Armed Forces Programme.

IIM-A has 9,500 alumni from its flagship courses and 21,600 alumni from executive education. The tie-up with LinkedIn is expected to offer career guidance. "Students know their immediate seniors and juniors, but they are unaware of the majority who graduated much earlier or after them. Our initiative will help in realtime career counselling," says Mukherjee.

Deccan Herald, ND 5/11/2012 P-8

## Panel for funding state higher education depts directly

The states' share of expenditure is about 67 per cent of the total cost

**NEW DELHI:** A committee of the Central Advisory Council on Education (CABE) has recommended that Central fund on higher education should be sent to state education departments instead of giving it to universities directly or through University Grants Commission (UGC).

"A paradigm shift is needed in the manner the state univer-

sities and colleges are funded and supported by the Central government. In place of sending Central funds directly or via UGC for universities and colleges across states, Central funding should be done for the state higher education system as a whole," it said in its report.

Such a plan should take a holistic view and take within its

purview Central as well as private institutions, so that all three segments of higher education within the state can develop to bring about a quantifiable change, it added.

To buttress its point, the committee said the states were "units for planned and coordinated development" of higher education. The central funding could be used to induce them to increase government spending on higher education and enable them to expand their high-

er education capacity aligned to the growing demand from students coming out of schools.

The higher education enrolment in regular courses is expected to increase from the current 200 lakh in 2011-12 to 300 lakh by the end of the 12th five year plan (2016-17). Of the current enrolment, about 180 lakh is in the universities and colleges and the remaining 20 lakh in non-degree awarding institutions.

While the Central plan out-

lays have been increased to over 10 times of the actual expenditure during the 10th five year plan, the higher education sector could be "meaningfully" impacted only if the states are also induced in making proportionately higher investments.

"At present, the states' share of expenditure on higher education is around 67% of the total expenditure on higher education," the panel underlined.

The circumstances and the level of development of higher

education vary widely across the states. "Due to this diversity, state institutions should be subjected to only one type of intervention and support," it said, citing another reason for giving central fund to state education departments. It said the system of funding state higher education systems should be built on a sustainable model. Focus should also be given to attracting private investment and internal generation of resources.

**DH News Service**

# Biometric attendance for DU teachers

TIMES NEWS NETWORK

**New Delhi:** Delhi University's executive council has authorized the vice-chancellor to implement the biometric attendance system for the teachers.

Although the university had already implemented the biometric attendance system for the non-teaching staff, the proposal for doing the same for the teachers, floated in 2009, met with an opposition from the teachers and had to be put on the backburner.

On Saturday, the highest decision-making body of the university discussed the issue and passed a resolution

---

## **POWER TO VC**

---

allowing the VC to decide on the implementation of the new system.

The attendance issue had come up for hearing in the Delhi high court earlier in September. DU assured the court that it would "expeditiously" adopt and implement the biometric attendance system for the teachers to ensure punctuality. Following the assurance, the court disposed of a PIL seeking the same, filed by an organization called Indian Council of Legal Aid and Advice in August.

Meanwhile, a section of teachers belonging to the Academics for Action and Development group appealed to the VC not to go ahead with the new system, saying this will be the beginning of an era of slavery for the teaching community where the teachers will be targeted and hounded by the heads and the principals.



# IIT-Roorkee alumni go down memory lane

**LUCKNOW:** Past students of IIT-Roorkee relived their good old days on the campus as they came together at the Lucknow chapter of the institution on Sunday. From the classroom mischief to playing truant with inmates in hostel, the memories came alive as the college friends got together at Viswesariya auditorium.



■ IIT-Roorkee alumni at the annual day event.

Sharing his college memories YD Mathur of the 1959 batch said, “Our teachers used to make late night rounds of the hostels when most of us were brewing coffee on heaters that was prohibited.”

“With two radio set on and coffee in pan, the boys feared action by teachers. But even a reproach could not restrict the boys. The teachers use to say that the idea of surprise inspection was to check the electrical load and not the industrial load,” he shared. The old boys recalled that getting admission to Thomson Engineering, which is now IIT-Roorkee, was tough even then. Gajendra Pal Singh of 1952 batch said that students then had to compete for the 200 seats of the college. **HTC**